05/04/2012; Issue 010; ` 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

जरुत - नौकरी - जरुत
नौकरी जे यक लिखो पढ़ो मेहणु लौता
जे सोच कइ कुछ लिख सकता
✌ खरी तनखा मेति ✌
सुआ जानकारी जे 9418721336

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े दिन अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगि घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ सि।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोइ मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गल्ति कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुलि बोक असि कि पेह्लि बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलति बि भुन्ति। अगर कोइ लिखणे गलति असि त असि जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकति।

♦कोइ चिज छपां सि या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस सोभि पांगि मेहणु जे हात जोड़ कई निवेदन कते कि, तुस बि कोइ अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नौइं कथा, कहावत, कविता, त नौवे घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्नदे दिए।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भैड़ हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असि।

9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418411599

अंतर कउं भैण

यक जिल्हाणु, अपु गीहे अगर टाई मेहणु बिशो केते। से सोचती मनचा! ऐ बिचारे ढुके त ठने से। त से तठी घेई कइ तेन्हि जे बोति "तुस अनजाणे असे। फी बि तूं शाबुशे तुस, अन्तर आए त आग सेकीण दिए त कुछ खाण दिए।

त तेन्हि बुछ यक बोता "गीहे मालिक अन्तर असा ना"। से बोति "ना, से कमुण जे गो सा। से मेहणु बोता "तउं त अस अन्तर एई न सकते"। पता जपल तसे धाणि गी एन्ता त से अपु धाणि जे सोब कुछ बतान्ति। तसे धाणि बोता "गा त तेन्हि भियांण दे"। जपल से तेन्हि मेहणु अन्तर भियांन्ति, त से बोते "मी कइ अस कदि यक गी न घेन्ते"। जिल्हाणु बोति "से किस्?" तेनि बुछ यक बोता "मैं नउं 'धन', इस नउं 'सफलता' त होरे एस नउं 'प्यार' असु। त अभेईं अन्तर गा त अपु धाणि जुए बोक-विचार कर कि असी बुछ केस अन्तर एण"। से जिल्हाणु अन्तर घेई कइ अपु धाणि जे बोति, से बोता कि अस 'सफलता' अन्तर भियान्ते, ताकि अस हर कम अन्तर सफलता पान्ते। पर तसे जुएलि नाराज भोई कइ बोति "ना ना, अस धन भियान्ते। ताकि हे गी धने बोलि भरीएल, तउं अउं अब्बुल अब्बुल सूट त कॅन्टुड़ लाई सकति। ग्रां अन्तर हें इज्जत बि बधती। ईं भोई कइ से दुईए बोकि बोकि अन्तर झगड़ीण लग घेन्ते।

पता होरे कमरे अन्तर तन्के बेउठी बिशो भुन्ति त से ठटी शुणति। से तठि एई कइ बोति कि "ईं किस ना कते, अस 'प्यार' अन्तर भियान्ते, ताकि अस सोब अपफ बुछ प्यार जुएई बिश्ते"। ए गल तेन्हि धाण जुएलि खारि लगति। त से 'प्यार' भियाण जे घेन्ते। से बोति "तुसि बुछ 'प्यार' कोउं सा, छने! अन्तर एइए"।

जपल 'प्यार' घेण जे खड़िन्ता त 'धन' त 'सफलता' बि तस पतूं खड़िन्ते। त से जिल्हाणु बोति "तुस किस एण लगो से"। से बोते "प्यार जेठ घेन्ता, अस बि ता घेन्ते। बिना प्यार अस बिशी न सकते।

मुहावरे त कहावत

- जे भ्याग मारे कदि न हारे - जो सुबह उठता है, उसका कोई भी काम अधुरा नहीं रहता।
- दाछि पकणेल, कागे मुहँ बाड़ - सही समय पर खराबी आना।
- ढुक न तोपती शाग, उंघ न तोपती बिछाण - जरुरत में कोई भी चीज चलती है।
- साचे बुढ़ी जिआण - सभी की बारी आती है।

मुहावरे त कहावत

- जेतु चादुर ततो जंघ टडीं - जितना कमाई है, उतना ही खर्चा करना। (कोया, जेतु चादुर ततो जंघ टडीं, ना त अस सोबी नगी भोई घेन्ते)
- ना देणी बुध त मन्गे किढ़ण बार - देना तो नहीं है, ऐसै ही बहाना बनना।
- बक भोई घेण - थक जाना।
- ना गीहे ना घते - कहीं का भी ना रहना।
- सुखान्ती नाओ - पसन्द ना करना। (शालु राणि तस सुखान्ती नाओ)
- बथ भिथ लगुं, (फाट खड़ी घेण) - रास्ता बन्द हो जाना/ रास्ता गुम हो जाना। (में अगर फाट खड़ी गोउ।)
- तालु सुखाण छाण - चुप करना। (लालु तस तालु सुखाई छड़ा)
- यक कान त सोउ मारते मुग - एक तीर से सौ मृग मारना।
- यक लिगं कठे हन्ड़ि शाग बणतु, दुबारि तथा आग लगति -एक बार तो किसी को ठग सकते है, पर दुसरी बार पकड़ा जाते है।
- चोरे मन खादेड़ा - चोर की मन गोठली पर होता है।

कुछ खास खबर

- 22 अप्रेल 2012 साक्षर भारते तहत पूरे पेगेई अन्तर असाक्षर मेहणु के ईम्तहान शुरू भुण लगोसे।
- पुरी पेगेई घाटी अन्तर बाणे कम शुरू भुई गो असु।
- लिशु त्योहार 13 अप्रेले तियेस असे।
- मार्च अन्तर 8वी, 10वी त 12वी बोर्ड ईम्तहान खत्म भोई गे।

नीतु त मिनु .....

By Shubham

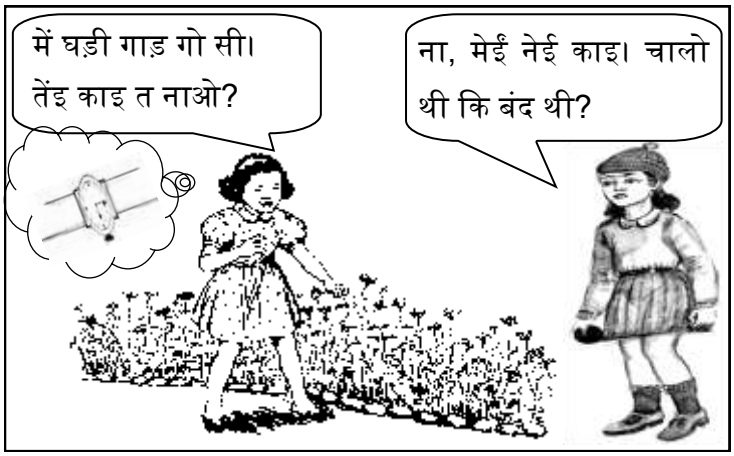

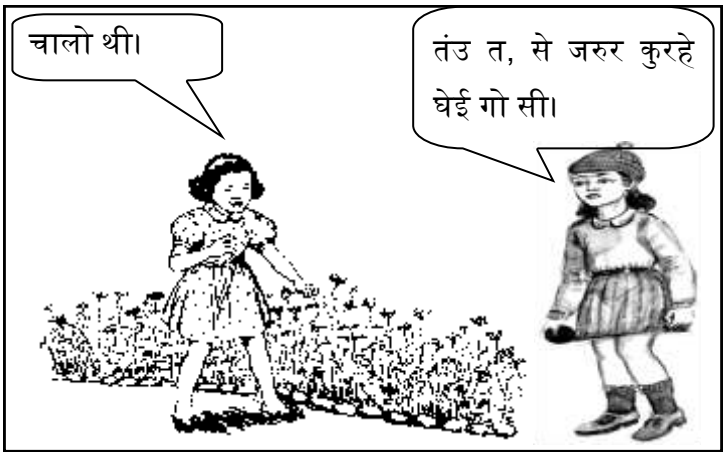

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

खाने दुवांइ नेणे वक्त एक्सपाईरि डेट हेरूं जरूरी असी।

ट्यारे पंगेई मेहणुओ, खाने दुवांइ नेणे वक्त अस यक चिज पुठ ध्यान रखुणे जरूरी असी। दवखाना या हस्ताड़ कैआं दुवांइ नेणे टेम, दुवांइ किखेइं बणोसे डेट, त दुवांइ किखेइं एक्सपाईरि भुणे डेट पुठ पक्का ध्यान रखे। (एक्सपाईरि भुणे डेट - दुवांइ काम करणे गुण खतम भुणे टेम) टिकि पत्ते पतुं, पिणे दुवांइ बोतुल पुठ, सुयि दुवाइ बोतुल पुठ बि ई सोब छपो भुन्तु। एक्सपाईरि दुवांइ खाणे बोली, बिमारी ठीक न भुन्ति, त होरा रियाक्षन बि भोइ सकता। रियाक्षने बोलि पुरा जिशम कशीण लगता, दिल घबराण, चक्कर एण बगैरा बगैरा नुकसान भुन्ति, त कदि-कदि मेहणु मर बि सकते। इस जुए, एक्सपाईरी डेट पुठ नजर रख कइ तस दुवांइ न खायेल, असी कोई नुकसान न भुन्ता। अगर हस्ताड़ अन्तर एक्सपाईरी दुवांइ देयाल, त डाक्तर साब जे बोलि कई होरे दुवांइ नेण।

Based on public interest Issued by Tubari editorial Team